

गौरव शर्मा (सहायक प्रवक्ता)
स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज शाहजहांपुर

उच्च शिक्षा संवर्धन में शैक्षिक अनुसंधान की भूमिका

सारांश

उच्च शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान एक समृद्धि और समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। उच्च शिक्षा समाज में ज्ञान, विचारशीलता, और कौशल को बढ़ावा देने का कार्य करती है और युवा पीढ़ी को आदर्श नागरिक बनाने में मदद करती है। इसके माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं जो समृद्धि और विकास के पथ में सहायक होते हैं।

शैक्षिक अनुसंधान उच्च शिक्षा के माध्यम से सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए अद्भुत रूप से महत्वपूर्ण है। इसका उद्दीपन और अनुसंधान क्षमता से ही नई विचारधारा और नए अनुभवों का समर्थन हो सकता है। शैक्षिक अनुसंधान विज्ञान, साहित्य, कला, और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नए ज्ञान की राह प्रशस्त करने का कार्य करता है, जिससे समाज में विकास के साथ-साथ सुधार होता है।

उच्च शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान का संबंध सीधे रूप से एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। उच्च शिक्षा इस प्रक्रिया को समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करती है, जबकि शैक्षिक अनुसंधान नए ज्ञान को उत्पन्न करता है और उसे अग्रगामी बनाता है। इस प्रकार, ये दोनों साथ मिलकर समाज को अधिक उन्नत, सुदृढ़, और समृद्धि की दिशा में प्रगट करने में सहायक होते हैं।

मुख्य शब्द :- उच्च शिक्षा, शैक्षिक अनुसंधान, विद्यार्थी

उच्च शैक्षिक संवर्धन में शैक्षिक अनुसंधान की भूमिका

प्रस्तावना :- उच्च शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान के मध्य नैतिक संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये क्षेत्र समाज में ज्ञान, विकास, और सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नैतिकता उच्च शिक्षा और अनुसंधान के साथ जुड़ी होती है जो एक समर्पित, नैतिक, और समझदार नागरिक बनाने के लक्ष्य को प्रोत्साहित करती है।

नैतिकता के प्रति समर्पित उच्च शिक्षा प्रणाली छात्रों को नैतिक मूल्यों, समर्पण, और समाजसेवा की महत्वपूर्णता की शिक्षा प्रदान करने का कार्य कर सकती है। शिक्षा के माध्यम से छात्रों को अच्छे नागरिक बनाने के लिए नैतिक मूल्यों का संवर्धन करना चाहिए, जिससे वे

समाज में जिम्मेदार नागरिक बन सकें। शैक्षिक अनुसंधान के माध्यम से नैतिकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जा सकता है, और इससे यह सुनिश्चित हो सकता है कि शिक्षा प्रणाली में कोई नैतिक संबंधों की कमी नहीं है।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान में नैतिकता के प्रति समर्पण से विद्यार्थियों को नैतिक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता मिलती है, जिससे वे अपने नैतिक मूल्यों के साथ समाज में सही रास्ते पर चल सकते हैं। इसके अलावा, शैक्षिक अनुसंधान के माध्यम से नैतिकता के मामले पहलुओं को समझने में मदद मिलती है, जिससे शिक्षा प्रणाली में सुधार किया जा सकता है। एक नैतिक उच्च शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान प्रणाली समर्पित नागरिकों की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, जो समाज में सद्गुण होते हैं और नैतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प रखते हैं।

उच्च शिक्षा के प्रमुख मानदंड :- विभिन्न देशों और शैक्षणिक संस्थाओं के अनुसार भिन्न हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य मानदंड होते हैं जो अधिकांश स्थानों पर लागू होते हैं. ये मुख्यतः निम्नलिखित हो सकते हैं:

1. **शैक्षिक क्षेत्र में अनुभव और योग्यता :-** उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए अधिकांश स्थानों पर एक अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बाद अनुभव और योग्यता को महत्वपूर्ण माना जाता है।
2. **पूर्ण की गई शिक्षा का प्रमाणपत्र :-** उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए एक पूर्ण की गई शिक्षा का प्रमाणपत्र आवश्यक होता है, जिससे छात्र की शैक्षणिक योग्यता की पुष्टि होती है।
3. **प्रवेश परीक्षा और अंकमाला :-** कई शैक्षणिक संस्थान प्रवेश परीक्षा या अंकमाला का आयोजन करते हैं ताकि उन्हें छात्रों की क्षमता का मूल्यांकन करने का संभावना हो।
4. **भाषा का ज्ञान :-** कुछ स्थानों पर शिक्षा में प्रवेश के लिए निर्दिष्ट भाषा का ज्ञान आवश्यक हो सकता है।
5. **साक्षरता :-** अधिकांश स्थानों पर शिक्षा में प्रवेश के लिए साक्षरता की आवश्यकता होती है।
6. **आवश्यक प्रमाणपत्र :-** प्रवेश के लिए आवश्यक प्रमाणपत्रों की पूर्ति, जैसे कि आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र, और अन्य आवश्यक दस्तावेज़।

शैक्षिक अनुसंधान के मानदंड :- विभिन्न क्षेत्रों और उद्देश्यों के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य मापदंड निम्नलिखित हो सकते हैं:

1. **योजना और प्रस्तावना :-** शैक्षिक अनुसंधान की शुरुआत में योजना और प्रस्तावना की मापदंड स्पष्टता, संप्रेषण, और संपूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए होते हैं।
2. **संग्रहण और विश्लेषण :-** शैक्षिक अनुसंधान में उपयुक्त डेटा का संग्रहण और विश्लेषण करने के लिए मापदंड बनाए जाते हैं, जिससे दृष्टिकोण, प्रक्रिया, और नतीजे स्पष्ट हों।
3. **सामरिकता और प्रमुखता :-** शैक्षिक अनुसंधान के परिणाम और उनका महत्व सामाजिक और शैक्षिक संदर्भ में होना चाहिए।

4. **सांविदानिकता/ विश्वसनीयता** :- की प्रणाली, उपकरण, और प्रक्रियाओं का सांविदानिकता या मापदंड होना चाहिए, ताकि निष्कर्ष, सही और सत्यापनीय नतीजे प्राप्त हों।
5. **सामाजिक न्याय** :- शैक्षिक अनुसंधान में सामाजिक न्याय का पालन करना महत्वपूर्ण है, जिसमें सभी साक्षर और अशिक्षित समुदायों के साथ समान और न्यायपूर्ण व्यवहार का समर्थन हो।
6. **याथार्थ्य** :- अनुसंधान की प्रणाली की याथार्थ्य, यानी पुनरावलोकन और पुनरागमन के लिए उपयुक्तता, सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।
7. **प्रस्तुतीकरण और प्रस्तावना** :- अनुसंधान के परिणामों को स्पष्ट और सुलभ तरीके से प्रस्तुत करने और सांविदानिक दस्तावेजीकरण के लिए मापदंड होना चाहिए।

इन मापदंडों का पालन करके, शैक्षिक अनुसंधान को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में सहायक हो सकता है, और उच्च गुणवत्ता वाले नतीजे प्राप्त किए जा सकते हैं।

शैक्षिक अनुसंधान की आवश्यकता :- शैक्षिक अनुसंधान का महत्व विभिन्न क्षेत्रों में विकास और सुधार के लिए है। यह न केवल शिक्षा के क्षेत्र में नई विचारशीलता लाता है, बल्कि समाज में विशेषांकित योजनाओं को समर्थन और स्थानांतरित करने में भी सहारा प्रदान करता है। निम्नलिखित कुछ कारणों से शैक्षिक अनुसंधान की आवश्यकता होती है:

1. **नए ज्ञान की खोज** :- शैक्षिक अनुसंधान नई जानकारी और विचारों की खोज में मदद करता है जो शिक्षा के क्षेत्र में और बाहर के समाज में उपयोगी हो सकती हैं।
2. **शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार** :- शैक्षिक अनुसंधान से आए नतीजे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करते हैं, जिससे शिक्षा प्रक्रिया और शिक्षण तकनीकी में नवीनता आ सकती है।
3. **समाज में समाज सुधारक** :- शैक्षिक अनुसंधान समाज में सामाजिक समस्याओं का समाधान ढूंढने में मदद कर सकता है और विभिन्न समृद्धि क्षेत्रों की जानकारी को साझा करके समृद्धि में सहायक हो सकता है।
4. **जीविका और आर्थिक विकास** :- उच्च शिक्षा और विज्ञान में अनुसंधान आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है और नौकरी के अवसरों को बढ़ा सकता है।
5. **विभिन्न संवैधानिक चुनौतियों का सामना करना** :- अनुसंधान शिक्षा के क्षेत्र में और समाज में उत्थान के लिए सशक्त और सुरक्षित समाधानों की खोज में मदद कर सकता है, जैसे कि तकनीकी प्रगति, जनसंख्या वृद्धि, और सामाजिक असमानता।
6. **शिक्षा की नीतियों को सुधारना** :- शैक्षिक अनुसंधान शिक्षा नीतियों को समीक्षित करने और सुधारने में मदद कर सकता है ताकि विभिन्न वर्गों के छात्रों को समर्थन मिल सके और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके।

इस प्रकार, शैक्षिक अनुसंधान का अध्ययन और प्रयोग समृद्धि, समाज सुधार, और व्यक्तिगत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधक है।

शैक्षिक अनुसंधान के उद्देश्य :- शैक्षिक अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान, विज्ञान, और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देना है। यह विभिन्न स्तरों पर शिक्षा की सुधार के लिए नए और सुधारित शिक्षा प्रक्रियाओं, उपायों, और नीतियों का अध्ययन करता है। शैक्षिक अनुसंधान के उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

1. **शैक्षिक गुणवत्ता को सुनिश्चित करना :-** शैक्षिक अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह है कि वह शिक्षा प्रक्रियाओं, शिक्षक-छात्र संबंधों, और शिक्षा साधनों के माध्यम से गुणवत्ता में सुधार करने के लिए उपायों की खोज करे।
2. **नई शैक्षिक प्रणालियों और तकनीक का अध्ययन करना :-** शैक्षिक अनुसंधान का मकसद यह भी है कि नई और सुधारित शिक्षा प्रणालियों, तकनीकों, और उपकरणों का अध्ययन करके शिक्षा में नवाचार लाए जाएं।
3. **शिक्षा में सामाजिक समावेश का बढ़ावा :-** शैक्षिक अनुसंधान का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य है सामाजिक समावेश को बढ़ावा देना, जिससे शिक्षा का समर्थन सभी वर्गों और समुदायों को मिले।
4. **शैक्षिक क्षेत्र में निर्देशन और नीतियों का विकसन :-** अनुसंधान के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर शिक्षा के क्षेत्र में नीतियों और निर्देशों का विकसन किया जा सकता है, जो शिक्षा प्रणाली को सुधारने में सहायक हो सकते हैं।
5. **शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ावा करना :-** शैक्षिक अनुसंधान का एक उद्देश्य यह भी है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में सहयोग और अनुभव बढ़ावा करें, ताकि दुनियाभर के शिक्षा प्रणालियों को सुधारने में मदद मिले।

इन उद्देश्यों के माध्यम से शैक्षिक अनुसंधान शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने और ज्ञान को बढ़ाने का कार्य करता है।

शैक्षिक अनुसंधान के कार्य :- शैक्षिक अनुसंधान उच्च शिक्षा में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो शिक्षा क्षेत्र में सुधार करने, नए ज्ञान को बढ़ावा देने, और शिक्षा प्रक्रिया में नई तकनीकों का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। यह कार्य विभिन्न स्तरों पर किया जा सकता है, जैसे कि नैतिकता, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित, भूगोल, और भाषा आदि। शैक्षिक अनुसंधान के कार्य का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में सुधार करना होता है ताकि शिक्षा संस्थानों और शिक्षकों को बेहतर तकनीकी और मेशोडों का प्रयोग करने का तरीका मिले।

यहां कुछ उच्च शैक्षिक संदर्भ में शैक्षिक अनुसंधान के कार्य के क्षेत्रों का उल्लेख है:

1. **शैक्षिक प्रणाली में नई तकनीकी उपाय :-** शैक्षिक अनुसंधान नई तकनीकों का अध्ययन करता है और इन्हें शिक्षा के क्षेत्र में कैसे लागू किया जा सकता है। इसमें विद्यार्थियों को समझाने और सीखाने के लिए नए उपायों, शैक्षिक सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन शिक्षा आदि शामिल हो सकते हैं।
2. **शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय :-** अनुसंधान के माध्यम से शिक्षा के प्रणाली में गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के उपायों का अध्ययन किया जा सकता है। इसमें शिक्षा का मूल्यांकन, शिक्षा प्रदान करने के माध्यम, और शिक्षा सामग्री की गुणवत्ता में सुधार शामिल हो सकता है।

3. **शिक्षक प्रशिक्षण और विकास** :- शिक्षकों की पेशेवर विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक अनुसंधान विभिन्न प्रशिक्षण तकनीकों, मॉडल्स, और मेथडों का अध्ययन कर सकता है।
4. **शिक्षा में अनुप्रयोगात्मक अनुसंधान** :- विभिन्न शैक्षिक अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुप्रयोग क्षमता विकसित करने का प्रयास कर सकते हैं, जो उन्हें विज्ञान, गणित, भूगोल, और अन्य क्षेत्रों में नए ज्ञान का सामर्थ्य प्रदान करता है।

इन क्षेत्रों में शैक्षिक अनुसंधान के कार्य से शिक्षा में सुधार हो सकता है और छात्रों को बेहतर तरीके से सीखने का मौका मिल सकता है।

शैक्षिक अनुसंधान की प्रकृति या विशेषताएं :- शैक्षिक अनुसंधान एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो शिक्षा और शिक्षण क्षेत्र में ज्ञान को बढ़ाने और सुधारने के लिए किया जाता है। शैक्षिक अनुसंधान की प्रकृति और उसकी विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

1. **उद्देश्य-निर्धारण** :- शैक्षिक अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में समस्याओं का समाधान निकालना और शिक्षा में सुधार करना होता है। इसका उद्देश्य नई जानकारी प्राप्त करना और उसे शिक्षा में लागू करना होता है।
2. **वैज्ञानिक मेथाडोलॉजी** :- शैक्षिक अनुसंधान में वैज्ञानिक मेथडोलॉजी का प्रयोग होता है जो सिद्धांतों, हिपोथिसिस, प्रयोग और विश्लेषण के माध्यम से नए ज्ञान को प्राप्त करने की क्षमता प्रदान करता है।
3. **समय-सिमितता** :- शैक्षिक अनुसंधान में समय की सीमितता हो सकती है, क्योंकि शिक्षा क्षेत्र में तत्परता और समस्याएं दिनमें बदल सकती हैं। इसलिए, अनुसंधान को समय पर पूरा किया जाना चाहिए ताकि उसका प्रभावी उपयोग हो सके।
4. **सहयोगी और अंतर्निहित अध्ययन** :- शैक्षिक अनुसंधान में सहयोगी और अंतर्निहित अध्ययन की विशेषता है। अनुसंधानकर्ताओं को अन्य विषयकेंद्रों के साथ मिलकर काम करना होता है ताकि विभिन्न दृष्टिकोण से समस्याओं का समाधान किया जा सके।
5. **विशेषज्ञता और विभिन्न दृष्टिकोण** :- शैक्षिक अनुसंधान में विभिन्न विषयों, दृष्टिकोणों और सांदर्भिकताओं का समावेश होता है। इसमें विशेषज्ञता का उपयोग करने की विशेषता है ताकि शिक्षा क्षेत्र की विभिन्न पहलुओं का समर्थन किया जा सके।
6. **व्यवसायिक व्यावसायिक अपने गए पहलुओं का समर्थन** :- शैक्षिक अनुसंधान का अपनाया गया गतिविधि-निर्देश या उत्पन्न नया ज्ञान व्यावसायिक रूप से अपनाया जा सकता है ताकि इससे शिक्षा क्षेत्र में सुधार हो सके।
7. **विदेशी और अंतर्दृष्टि** :- शैक्षिक अनुसंधान में विदेशी अनुसंधान और आंतरदृष्टि की भूमिका होती है। इससे विश्वभर में सबसे अच्छे अध्ययनों और उच्चतम मानकों का सामरिक संदर्भ प्राप्त होता है।

शैक्षिक अनुसंधान की प्रकृति और उसकी विशेषताएं इसे एक महत्वपूर्ण और आवश्यक गतिविधि बनाती हैं जो शिक्षा क्षेत्र को सुधारने में मदद करती है।

शैक्षिक अनुसंधान के प्रमुख उपकरण :- शैक्षिक अनुसंधान के लिए कई प्रकार के उपकरण होते हैं जो शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की जानकारी एकत्र करने और विश्लेषण करने में मदद करते हैं। यहां कुछ प्रमुख शैक्षिक अनुसंधान के उपकरणों की सूची है:

1. सांख्यिकीय उपकरण :-

- सॉफ्टवेयर और एप्लिकेशन :- SPSS, R, Excel, MATLAB, आदि।
- सांख्यिकीय पैकेजेस :- STATA, SAS, आदि।

2. सोशल मीडिया और इंटरनेट उपकरण :-

- ऑनलाइन सर्वेक्षण उपकरण :- Google Forms, SurveyMonkey, Qualtrics, आदि।
- आंकड़ा अन्वेषण उपकरण :- Google Scholar, ResearchGate, JSTOR, आदि।

3. लेखन और संपादन उपकरण :-

- वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर :- Microsoft Word, Google Docs, आदि।
- संपादन उपकरण :- Grammarly, होमनेट, आदि।

4. ऑनलाइन शिक्षा और वीडियो शिक्षा उपकरण :-

- मूडल और ब्लैकबोर्ड :- ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म।
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण :- Zoom, Google Meet, Microsoft Teams, आदि।

5. शोध उपकरण :-

- शोध पत्रिकाएं और जर्नल्स :- JSTOR, Springer, IEEE Xplore, आदि।
- अनुसंधान डाटाबेसस :- ProQuest, EBSCOhost, आदि।

6. शैक्षिक टेक्नोलॉजी :-

- लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम :- Moodle, Canvas, Blackboard, आदि।
- इंटरएक्टिव शिक्षण उपकरण :- Kahoot!, Quizlet, आदि।

7. स्थाई और सुरक्षित डेटा संग्रहण :-

- क्लाउड स्टोरेज सेवाएं :- Google Drive, Dropbox, OneDrive, आदि।
- डेटा सुरक्षा उपकरण :- Encryption tools, VPNs, आदि।

ये उपकरण शैक्षिक अनुसंधान में डेटा संग्रहण, विश्लेषण, और साझा करने में मदद करने के लिए विभिन्न क्षमताओं के साथ आते हैं।

शैक्षिक के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र :- शैक्षिक अनुसंधान कई प्रमुख क्षेत्रों पर आधारित हो सकता है, जो शिक्षा में सुधार करने और नई जानकारी प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। यहाँ कुछ प्रमुख शैक्षिक अनुसंधान क्षेत्रों की एक सूची है:

1. शिक्षा प्रणाली और तकनीकी उन्नति :- इस क्षेत्र में अनुसंधान, नए शिक्षा प्रणाली और तकनीकों का अध्ययन करता है जो शिक्षा को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने में मदद कर सकते हैं।

2. शिक्षा नीति और प्रबंधन :- इस क्षेत्र में अनुसंधान शिक्षा नीतियों, शिक्षा प्रबंधन, और शिक्षा प्रणालियों के प्रभाव को समझने और सुधारने के लिए किया जाता है।

3. शिक्षा मनोविज्ञान :- यह क्षेत्र मानव मनोबुद्धि, शिक्षा प्रक्रिया, और शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए मानव मनोबुद्धि की अध्ययन करता है।
4. विद्यार्थी स्थिति और अनुगमन :- इस क्षेत्र में अनुसंधान विद्यार्थी स्थिति, उनकी सीखने की क्षमता, और शिक्षा प्रक्रिया के परिणामों को मापने के लिए किया जाता है।
5. विद्यार्थी सहायता और प्रेरणा :- इस क्षेत्र में अनुसंधान विद्यार्थियों को समर्थन और प्रेरणा प्रदान करने के लिए किया जाता है, ताकि वे अध्ययन में और अधिक सफल हो सकें।
6. शिक्षा में समाजशास्त्रीय अनुसंधान :- इस क्षेत्र में अनुसंधान समाजशास्त्रीय प्रणालियों, समाज के प्रभाव, और शिक्षा के सामाजिक संदर्भों पर केंद्रित होता है।
7. शिक्षा में भाषा और साहित्यिक अनुसंधान :- यह क्षेत्र भाषा, साहित्य, और शिक्षा के बीच के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करता है और शिक्षा को साहित्यिक दृष्टिकोण से अधिक समृद्धि प्रदान करने के लिए अनुसंधान करता है।

ये केवल कुछ क्षेत्र हैं और शैक्षिक अनुसंधान कई और विभिन्न पहलुओं पर आधारित हो सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- xqlrk] ,l-ih- ¼2020½(vuqla/kku lanf'kZdk IEizR;;] dk;Zfof/k ,oa izfof/k] iz;kxjkt('kkjnk iqLrd HkouA**
- dqekj] fnus'k ¼2019½('kSf{k d vuqla/kku iz.kkyh ,oa lkaf[;dh] yoyh izksQsluy ;wuhoflZVh(y{eh izdk'kuA**
- 'kekZ] vkj,- ¼2009½(f'k{kk vuqla/kku ds ewy rRo ,oa vuqla/kku izfdz;k] esjB(vkj- yky cq d fMiksA**
- 'kekZ] vkj,- ¼1995½(f'k{kk vuqla/kku] fudV xoZues.V dkyst] esjB(vkj yky caqd fMiksA**

<https://www.eijo.in/asset/images/uploads/15368569697266.pdf>

<https://digital360india.medium.com/what-is-the-importance-of-educational-research-18431df85c10>

http://www.ngbu.edu.in/newsite/Ontuto/Research_Dr%20Shrawan%20Kumar.pdf

<https://onlinenotebank.wordpress.com/2022/09/14/educational-research-meaning-characteristics-importance-and-scope-of-educational-research/>